अथवा नागपुर स्थानान्तरित करने के प्रस्ताव पर पुनः विचार कर रही है जिसे पहले छोड़ दिया गया था ;

(ख) क्या यह भी सच है कि भूतपूर्व रेल मंत्री ने दिनांक 29, अक्तूबर 1981 के अपने पत्र में यह बताया था कि इस संगठन को इलाहाबाद से स्थानान्तरित करने का प्रस्ताव त्याग दिया गया था ; और

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?

रेल मंत्रालय एवं संसदीय कार्य विभाग में उप मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) जी, नहीं ।

(ख) जी हां ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

डल्ली-बेलाडिल्ला रेलवे लाइन

916. **श्री लक्ष्मण कर्मा** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या डल्ली-राजहरा-बेलाडिल्ला रेलवे लाइन का सर्वेक्षण पूरा हो चुका है ;

(ख) यदि हां, तो इस लाइन का सर्वेक्षण कब किया गया था और उसकी अनुमानित लागत कितनी है ;

(ग) उपरोक्त लाइन की लम्बाई कितने किलोमीटर हैं ; और

(घ) उस पर कितनी राशि व्यय की जायेगी ?

रेल मंत्रालय एवं संसदीय कार्य विभाग में उप मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) डल्ली-राजहरा से बेलाडिल्ला (किरान्दुल) तक एक नयी सीधी लाइन बिछाने के लिए कोई सर्वेक्षण नहीं किया गया है।

(ख) से (घ) प्रश्न नहीं उठता।

बचेली और किरनदुल, मध्य प्रदेश में केन्द्रीय विद्यालय का खोला जाना

917. **श्री लक्ष्मण कर्मा** : क्या शिक्षा और समाज कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बेलाडिल्ला लोह अयस्क परियोजना क्षेत्र में बचेली और किरनदुल में केन्द्रीय विद्यालय खोले गए हैं और बस्तर जिले के जन-जाति छात्रों के लिए 25 प्रतिशत कोटा आरक्षित किया गया है ; और

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1981 के दौरान बस्तर जिले के कितने जन-जाति छात्रों को प्रवेश दिया गया है ?

शिक्षा और संस्कृति तथा समाज कल्याण मंत्रालयों में राज्य मंत्री (श्रीमती शीला कौल) : (क) बेलाडिल्ला लोह अयस्क परियोजना क्षेत्र में किरनदुल और बचेली में केन्द्रीय विद्यालय खोले गए हैं।

केन्द्रीय विद्यालयों में सामान्यतया दाखिले के लिए निम्नलिखित प्राथमिकताएं निर्धारित की गई हैं :—

(1) रक्षा कर्मचारियों सहित स्थानान्तरणीय सरकारी कर्मचारियों के बच्चे ;

(2) केन्द्रीय सरकार द्वारा वित्त पोषित सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के स्थानान्तरणीय कर्मचारियों के बच्चे ;

(3) अस्थानान्तरणीय केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों के बच्चे ; और

(4) एक स्थान पर न रहने वाले अन्य व्यक्तियों के बच्चे जिन में केन्द्रीय विद्यालयों में अपनाई गई अध्ययन प्रक्रिया को अपनाने के इच्छुक, सिविल जनसंख्या शामिल है।